RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 14 FEBRUARY TO 20 FEBRUARY 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 21 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

दिल्ली -जयपुर का सफर होगा 2 घंटे में पूरा, जानिए 'इलेक्ट्रिक बस' वाला प्लान Page 2

दुनिया में फिर आ सकती है विनाशकारी मंदी वजह बनेगा बर्बाद होता चीन, विशेषज्ञ दे रहे चेतावनी Page 4

फिर आया शादियों का सीजन 6 महीने में होंगी 42 लाख शादियां Page 7

editoria!

## सुरक्षा परिषद का विस्तार

रूस ने सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के भारत के दावे का फिर समर्थन किया है. भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार का आह्वान करते हुए कहा है कि संयुक्त राष्ट्र की इस मुख्य इकाई में भारत के होने से संतुलन को बढ़ावा मिलेगा और दुनिया की बहुत बड़ी आबादी, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के हितों को वैश्विक मंच पर रखा जा सकेगा. उन्होंने ने यह भी रेखांकित किया है कि जी-20 की अध्यक्षता भारत की उत्कृष्ट बहुपक्षीय कूटनीतिक क्षमता तथा बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच सहमति बनाने की योग्यता का स्पष्ट प्रमाण है. बदलती विश्व व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए सुरक्षा परिषद के विस्तार की मांग भारत समेत अनेक देश लंबे समय से करते रहे हैं. पर पांच स्थायी सदस्यों की आपसी राजनीति और विशिष्टता का बोध सुधार की राह में अवरोध बना हुआ है. हालांकि सभी स्थायी सदस्य कभी-न-कभी भारत की दावेदारी को उचित ठहरा चुके हैं. कुछ समय पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्थायी सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा था कि सुरक्षा परिषद एक 'पुराने क्लब' की तरह है, जिसके सदस्य नये देशों को शामिल नहीं करना चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनका नियंत्रण कम हो जायेगा. दो वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है. गाजा हमले को रोकने से इस्राइल बार बार इनकार कर रहा है. पश्चिम एशिया बड़े युद्ध के मुहाने पर है. आज के दौर में दुनिया में लगभग 40 जगहों पर हिंसक संघर्ष चल रहे हैं. इन मामलों में कई बैठकों के बाद भी सुरक्षा परिषद कोई ठोस कार्रवाई तो छोड़ दें, ठोस फैसला करने में भी विफल रहा है. कोरोना महामारी के समय विकसित देशों ने बड़ी मात्रा में वैक्सीन की जमाखोरी की थी. उस संबंध में भी सुरक्षा परिषद कुछ नहीं कर सका था. जी-20 शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वर्तमान की वास्तविकताओं को देखते हुए वैश्विक संस्थाओं की संरचना में परिवर्तन की आवश्यकता है. उन्होंने सुरक्षा परिषद का उदाहरण देते हुए रेखांकित किया था कि जब संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, तब इसके 51 सदस्य थे. आज संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की संख्या लगभग 200 है. पर स्थायी सदस्यों की संख्या पांच ही बनी हुई है. हालांकि मौजूदा स्थायी सदस्य विस्तार की जरूरत से सहमति जताते रहे हैं, पर उन्होंने ठोस पहल करने में हिचक दिखायी है. अब समय आ गया है कि विश्व के वर्तमान एवं भविष्य को देखते हुए सुधार प्रक्रिया को गति मिले.

# सुस्त पड़ा जापान भारत का रास्ता साफ...

## बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था, वजह भी है साफ

**नई दिल्ली। एजेंसी**

एक की नाकामी दूसरे की सफलता के रास्ते खोलती है। ऐसा ही कुछ जापान के साथ भी हुआ है। 'बूढ़ी' हो रही जापानी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ गई है, जिसका फायदा भारत को मिलने वाला है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि जापान की अर्थव्यवस्था अब चौथे पायदान पर सरक गई है, जहां पहले जर्मनी काबिज था। इसका सीधा मतलब हुआ कि अब जर्मनी तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और जापान चौथी। लेकिन, भारत की रफ्तार इन दोनों से ही ज्यादा है और जल्द ही वह दोनों देशों को पीछे छोड़ तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, जापान की विकास दर अभी 1.2 फीसदी है, जो पिछले साल तक निगेटिव में जा रही थी। अगर डॉलर के टर्म में देखी जाए तो इसकी अर्थव्यवस्था जर्मनी से पीछे चली गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह जापानी मुद्रा येन में गिरावट और तेजी से बूढ़ी होती जनसंख्या को बताया जा रहा है। ऐसे में विशेषज्ञों का अनुमान और पुख्ता हो गया है कि जल्द ही भारत दोनों देशों को पीछे छोड़ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

### क्या कहते हैं आंकड़े

एक समय जापान दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ जा रहा था। जब साल 2010 में चीन ने जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ा और दूसरे पायदान पर आ गया। आज चीन की इकनॉमी जापान के मुकाबले 4 गुना बढ़ चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (घ्इ) की मानें तो जापान की इकनॉमी अभी 4.2 लाख करोड़ डॉलर की है, जो 2012 में 6.3 लाख करोड़ डॉलर की थी। इस दौरान जापानी मुद्रा येन भी डॉलर के मुकाबले 80 से गिरकर 141 पहुंच गई है।

इसके मुकाबले अगर जर्मनी की जीडीपी देखी जाए तो घ्इ आंकड़ों के अनुसार, यह अभी करीब 5 लाख करोड़ डॉलर है। जापान की जीडीपी जहां सुस्त रफ्तार से आगे बढ़ रही है, वहीं जर्मनी की ग्रोथ स्थिर बनी हुई है। घ्इ और विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि साल 2028 तक जापान 5 लाख करोड़ डॉलर के आसपास रहेगा तो जर्मनी इससे थोड़ा ऊपर पहुंच सकता है।

### भारत कब निकलेगा आगे

अगर भारत से तुलना की जाए तो दोनों ही देशों के तमाम ग्रोथ आंकड़े काफी सुस्त नजर आ रहे हैं। घ्इ के आंकड़े भी साफ बता रहे हैं कि भारत की ग्रोथ इन दोनों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। लिहाजा साल 2026 में पहले जापान को पीछे छोड़ हम चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे और फिर 2027 में जर्मनी को पछाड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। तब भारतीय जीडीपी का आकार करीब 5.5 लाख करोड़ डॉलर पहुंच जाएगा।

### क्या है भारत के बढ़ने की वजह

भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा, इसकी सबसे बड़ी वजह उसके युवाओं की ताकत है। एक तरफ जर्मनी और जापान में जहां वर्किंग पॉपुलेशन यानी काम करने लायक जनसंख्या में तेजी से गिरावट आ रही, वहीं भारत में इसके आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के अनुसार, साल 2022 तक जापान में वर्किंग पॉपुलेशन जहां 58 फीसदी के आसपास रह गई। वहीं जर्मनी में यह आंकड़ा 63 फीसदी के आसपास रहा, जो लगातार घटता ही जा रहा है. इसके मुकाबले भारत में वर्किंग पॉपुलेशन 67 फीसदी पहुंच गई, जो अभी बढ़ती ही जा रही।

## बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों को 4 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा

### Sensex-Nifty में शानदार रिकवरी

**मुंबई। एजेंसी**

**वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बावजूद, घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार रिकवरी दर्ज की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिसके कारण प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स एर्हों और Nifty में गिरावट आई। Nifty का कोई भी सेक्टर ग्रीन में नहीं था। लेकिन, धीरे-धीरे बाजार ने रफ्तार पकड़ी और दिन के अंत में शानदार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस शानदार रिकवरी के कारण, बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप रुपए 4 लाख करोड़ बढ़ गया, यानी कि निवेशकों की पूंजी में रुपए 4 लाख करोड़ की वृद्धि हुई।**

### इंट्रा-डे में गिरावट, फिर रिकवरी

एर्हों इंट्रा-डे में 70800 के करीब और Nifty 21550 के नीचे तक गिर गया था। लेकिन, रिकवरी के बाद, Sensex 277.98 अंकों (0.39%) की बढ़त के साथ 71833.17 और Nifty 96.80 अंकों (0.45%) की तेजी के साथ 21840.05 पर बंद हुआ। Nifty के सिर्फ IT और फार्मा शेयरों के इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बाकी सभी सेक्टरों ने आज तेजी दर्ज की।

### निवेशकों की पूंजी में रुपए 4 लाख करोड़ की वृद्धि

13 फरवरी 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप रुपए 3,80,75,872.35 करोड़ रुपये था। आज यह बढ़कर रुपए 3,84,85,504.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी में आज रुपए 4 लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई है। यह निश्चित रूप से एक शानदार रिकवरी है, खासकर शुरुआती गिरावट को देखते हुए। यह निवेशकों के लिए एक राहत की बात है और यह दर्शाता है कि भारतीय शेयर बाजार में अभी भी काफी दम है।

# नोबेल पुरस्कार विजेता ने भारत की तारीफों के पुल बांधे, कहा- दुनिया में सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था यहां है

**नई दिल्ली। एजेंसी**

**नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री ए माइकल स्पेंस ने भारत की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और इसकी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय ढांचा बेजोड़ है। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल खुली और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था विकसित की है, बल्कि विशाल क्षेत्र में समावेशी किस्म की सेवाएं भी प्रदान करता है।**

### भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय ढांचा दुनिया में सर्वश्रेष्ठ

स्पेंस ने कहा, 'भारत में उच्चतम संभावित वृद्धि दर वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इसने दुनिया में अब तक की सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय ढांचा सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह खुला और प्रतिस्पर्धी है और विशाल क्षेत्र में समावेशी किस्म की सेवाएं प्रदान करता है।'

### वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलाव

स्पेंस ने कहा कि दुनिया इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के शासन क्रम में बदलाव महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई 70 साल पुरानी वैश्विक प्रणाली महामारी, भू-राजनीतिक तनाव और जलवायु परिवर्तन से खंडित हो रही है।

स्पेंस ने कहा कि गुरुत्वाकर्षण का केंद्र पूर्वी दुनिया की तरफ खिसकने के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक बुनियादी बदलाव आ रहा है। इससे आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता आ रही है और वैश्विक शासन पहले से अधिक जटिल होता जा रहा है।

चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद स्पेंस ने आशावाद का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण बढ़ाने के लिए जवाबी कदम होने से आशावाद पनपता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-चिकित्सकीय जीवन विज्ञान में क्रांति और ऊर्जा परिवर्तन जैसे बदलावों का भी उल्लेख किया।

## कंटेंट निर्माण में सही तकनीकी उपकरण चुनने के लिए वेस्टर्न डिजिटल की हैंडबुक

**नई दिल्ली। एजेंसी**

हालिया अध्ययन बताते हैं कि भारत में कॉन्टेंट क्रिएटरों की तादाद में अच्छा खासा इजाफा हुआ है 2022 में जहां भारत में 8 करोड़ कॉन्टेंट क्रिएटर थे वहीं 2023 में इनकी तादाद 10 करोड़ होने का अनुमान है। आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार बढ़ते कंटेंट की मात्रा में अपने लिए जगह बनाना मुश्किल होता जा रहा ह इसलिए कंटेंट क्रिएटर्स को निरंतर और नया कंटेंट बनाने की जरूरत है जिसके कारण उन्हें अपने क्रिएटिव सफर के लिए भारी मात्रा में डेटा को संभालना पड़ता है ऐसे में सही तकनीकी टूल्स का चयन करना बहुत काम आता है इस लेख में आपको कुछ ऐसी उपयोगी बातें व तरीके बताए जा रहे हैं जिससे आप स्मार्ट तरीके से अपने पीसी की परफॉरमेंस को बेहतर कर सकेंगे जो कि कॉन्टेंट रचने की यात्रा में एक बेहद अहम पहलू है।

सबसे पहले एसएसडी तेजी से बड़ी फाईल एक्सेस कर सकती हैं जिससे बूट टाईम और परफॉरमेंस तेज हो जाते हैं फिर चाहे आप कंटेंट पर काम कर रहे हों या स्ट्रीम कर रहे हों।

वीडियो एडिटर्स को रॉ डाटा और भारी ऐडिटिंग सॉफ्टवेयरों के साथ काम करना होता है इसलिए उनका वक्त बहुत कीमती होता है आप डब्ल्यूडी ब्लू एसएन580 एनवीएमई एसएसडी के इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं जिसे तेज गति और 2टीबी तक की स्टोरेज क्षमता के लिए जाना जाता है। इसके 1 टीबी और 2टीबी मॉडलों की रफ्तार 4150 एमबी प्रति सैकिंड तक पहुंच जाती है और एनकैच 4.0 टेक्नोलॉजी के साथ फाइलें बहुत तेजी से कॉपी होती हैं और डाटा-इंटेंसिव ऐप्लीकेशंस के होते हुए भी आप बहुत अच्छी परफॉरमेंस का अनुभव करेंगे। यह आपके रचनात्मक वर्कफ्लो को बढ़ा देगा, ऐप्लीकेशन की रिस्पॉंसिवनेस बेहतर हो जाएगी और बैटरी लाइफ बढ़ने से बिना रुकावट उत्पादकता जारी रहेगी।

# भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लिए सालाना 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर जरूरीः रंगराजन

**हैदराबाद। एजेंसी**

भारत को 2047 तक 13,000 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सालाना सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर जरूरी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने मंगलवार को यह बात कही। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पूर्व चेयरमैन ने यह भी कहा कि असमानता या गरीबी को कम करने के लिए नवाचार एकमात्र समाधान नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि तेज वृद्धि के अलावा, देश को नकदी और न्यूनतम आय जैसी सब्सिडी के रूप में सामाजिक सुरक्षा जाल की भी जरूरत हो सकती है।

रंगराजन ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'मेरे हिसाब से 7-8 प्रतिशत के बीच की वास्तविक वृद्धि इसे विकसित अर्थव्यवस्था के करीब ले जाएगी। विकसित अर्थव्यवस्था की परिभाषा के अनुसार प्रति व्यक्ति आय 13,000 अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक है। भारत की प्रति व्यक्ति आय इस वक्त 2700 अमेरिकी डॉलर है। इसका मतलब है कि प्रति व्यक्ति आय बढ़ाकर पांच गुनी करनी होगी।'

उन्होंने कहा कि अगर विनिमय दर को निचले स्तर पर रखा जाए या कीमतें बढ़े तो आय में वृद्धि होगी और भारत एक विकसित राष्ट्र बन सकता है। रंगराजन ने कहा कि इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था की डॉलर के मूल्य में गणना वास्तविक वृद्धि, मुद्रास्फीति के स्तर और विनिमय दर पर निर्भर करती है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक रघुनाथ अनंत माशेलकर ने आज आईसीएफएआई के 13वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति रंगराजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जुड़कर समारोह की अध्यक्षता की। रंगराजन ने अपने भाषण में कहा कि प्रौद्योगिकी से आर्थिक वृद्धि को गति मिली है। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि पिछली डेढ़ शताब्दियों या उससे अधिक समय में विकसित देशों ने जो वृद्धि दर्ज की है, उसका आधार प्रौद्योगिकी के कारण संभव हो सका।

# दिल्ली -जयपुर का सफर होगा 2 घंटे में पूरा, जानिए 'इलेक्ट्रिक बस' वाला प्लान

**उदयपुर । एजेंसी**

**केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली - जयपुर रूट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने 12 फरवरी को उदयपुर में 2500 करोड की विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास के दौरान कहा कि दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजमार्ग पर इलेक्ट्रिक केबल डालकर इलेक्ट्रिक बस शुरू की जाएगी। इससे दिल्ली से जयपुर की दूरी दो घंटे में पूरी की जाएगी। इसका किराया डीजल बस की तुलना में 30 प्रतिशत कम होगा।**

### दिल्ली से जयपुर का सफर दो घंटे में होगा पूरा

उदयपुर में मेवाड़ के विकास को गति देने के लिए 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की 17 सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, 'बांदीकुई से जयपुर तक 1,370 करोड़ रुपये में हम 67 किलोमीटर लंबा चार लेन का एक्सप्रेसवे बना रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'यह काम नवंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा और उसके बाद दिल्ली से जयपुर का सफर दो घंटे में पूरा हो जाएगा, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।''

### अमेरिका के राष्ट्रीय राजमार्गों के जैसे होंगे राजस्थान

उन्होंने कहा, 'दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस राजमार्ग एशिया में पहला और दुनिया में दूसरा है जिस पर हमने पशु ओवरपास बनाया है ताकि जानवरों को सड़क पार न करनी पड़े। गडकरी ने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि हम राजस्थान की सड़कों को दुनिया की सड़कों के समान कर रहे हैं।' मंत्री ने आश्वासन दिया कि 2024 के अंत से पहले राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग अमेरिका के राष्ट्रीय राजमार्गों के समान हो जायेंगे।

### 22,000 करोड़ रुपये का काम राजस्थान में हो चुका

उन्होंने कहा कि राजस्थान में केंद्र सरकार 60,000 करोड़ रुपये की लागत से एक्सप्रेस राजमार्ग बना रही है तथा 1,382 किलोमीटर लंबा दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस राजमार्ग एक लाख करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जिसमें से 22,000 करोड़ रुपये का काम राज्य में हो चुका है। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से उदयपुर बहुत महत्वपूर्ण और इसे राजस्थान का कश्मीर कहा जाता है।शर्मा ने कहा, 'अब हमारी सरकार के 60 दिन पूरे होने वाले है। जल्द से जल्द हम संकल्प पत्र पूरा करने जा रहे हैं।'

# 6 दिन से लगातार लुढ़क रहा था स्टॉक, एक अपडेट आते ही अपर सर्किट पर बंद

**मुंबई। एजेंसी**

6 दिन तक लोअर सर्किट लगने के बाद IREDA के शेयर पर आज अपर सर्किट लगते दिखा। दरअसल, बुधवार को बाजार बंद होने से ठीक कुछ समय पहले ही इस शेयर में बड़ी ब्लॉक डील की खबर सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार को दोपहर के कामकाज के दौरान IREDA में 2.49 करोड़ शेयरों का सौदा हुआ है। इस लार्ज ट्रेड की कुल वैल्यू रु. 394 करोड़ रही. इस डील में IREDA के 0.92रु. इक्विटी का सौदा हुआ। रु. 160 प्रति शेयर के भाव पर रु. 389.8 करोड़ का यह सौदा हुआ। इसी वजह से स्टॉक पर लोअर सर्किट खुला। लेकिन इसके कुछ समय बाद ही शेयर पर अपर सर्किट भी लग गया।

### 6 दिन से लग रहा था लोअर सर्किट

इसके पहले शेयर में पिछले 6 सेशन से जबरदस्त गिरावट देखने को मिल रही थी। 6 सेशन में लगातार इस स्टॉक पर 5-5% लोअर सर्किट लगते हुए दिखा। पिछले 6 दिन में ये स्टॉक 26.5% तक फिसल चुका है। बुधवार को 6ठें दिन लोअर सर्किट लगने के बाद यह स्टॉक रु. 154.05 प्रति शेयर के भाव पर था। लेकिन, ब्लॉक डील के बाद एक बार फिर इस स्टॉक पर अपर सर्किट लगते दिखा।

हाल ही में लिस्ट हुए इस स्टॉक में इससे पहले लगातार तेजी देखने को मिल रही थी। लिस्टिंग के बाद से लगातार तेजी की वजह से यह स्टॉक रु. 215 प्रति शेयर के भाव तक पहुंचने में कामयाब रहा। जबकि, ष्ह्ध् का इश्यू प्राइस रु. 32 प्रति शेयर तय था और यह रु. 50 पर लिस्ट हुआ था। लेकिन अब बीते कुछ समय से इसमें लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर प्राइस में गिरावट की वजह से कंपनी के मार्केट कैपिटलाइजेशन भी शिखर से गिर गया है। बुधवार को IREDA का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 44,720 करोड़ रुपए के करीब है।

### दिसंबर तिमाही में 67% बढ़ा मुनाफा

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 67% बढ़कर ?336 करोड़ रहा। इसके अलावा कंपनी की आमदनी में भी पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 44% की बढ़ोतरी दिखी, जिसके बाद यह रु. 1252.9 करोड़ पर पहुंच चुकी है।

नतीजों के बाद कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रदीप कुमार दास ने कहा कि निवेशकों और शेयरहोल्डर्स के लिए कंपनी भारत में एनर्जी ट्रांजिशन का अहम हिस्सा बन रही है। बताते चलें कि ये कंपनी रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट और एनर्जी कंजर्वेशन प्रोजेक्ट्स के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट मुहैया कराती है।

# पहली बार साथ आने की तैयारी में टाटा और रिलायंस

## जानिए क्या है मुकेश अंबानी का धमाकेदार प्लान

**मुंबई। एजेंसी**

देश के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी मीडिया एंड एंटरटेनमेंट सेक्टर में बड़ा धमाका करने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा प्ले में 29.8 फीसदी हिस्सेदारी खरीद सकती है। टाटा प्ले सब्सक्रिप्शन बेस्ड सैटेलाइट टीवी एंड वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विस है। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस यह हिस्सेदारी वॉल्ट डिज्नी से खरीद सकती है। इससे रिलायंस टेलीविजन डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है। साथ ही इससे रिलायंस के ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोसिनेमा की रीच में भी बढ़ोतरी होगी। इस बारे में टाटा प्ले ने ईटी ऑनलाइन के सवालों का जवाब नहीं दिया। टाटा प्ले में टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की 50.2 फीसदी हिस्सेदारी है। सिंगापुर के फंड ऊर्सि॰ की टाटा प्ले में 20 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले साल अक्टूबर में सूत्रों के हवाले से खबर दी थी कि ऊर्सि॰ टाटा प्ले में अपनी हिस्सेदारी टाटा ग्रुप को बेचने के लिए बात कर रही है। लेकिन इस मामले में दोनों के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई। अगर रिलायंस और टाटा प्ले के बीच डील फाइनल होती है तो यह टाटा ग्रुप और रिलायंस ग्रुप के बीच पहला वेंचर होगा। इससे रिलायंस के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोसिनेमा को टाटा प्ले के कस्टमर्स तक पहुंच बनाने का मौका मिलेगा। डिज्नी ने टाटा प्ले के आईपीओ में अपने शेयर बेचने की योजना बनाई थी लेकिन लिस्टिंग टलने के बाद वह कंपनी से निकलने के दूसरे रास्ते खोज रही है। सूत्रों का कहना है कि अगर डील होती है तो रिलायंस अपने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियोसिनेमा का पूरा कंटेंट कैटालॉग टाटा प्ले के ग्राहकों को ऑफर करना चाहता है।

# देश में महंगाई दर में गिरावट

## सब्जियों से लेकर दालों तक गिरे दाम

### जनवरी में 0.27 प्रतिशत रहा आंकड़ा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश में महंगाई दर में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। जनवरी महीने में होलसेल इंफ्लेशन (WPI) में भी गिरावट आई है। रिटेल के बाद होलसेल महंगाई दर भी कम हो गई है। खाने-पीने के सामान की कीमतों में आई गिरावट की वजह से महंगाई दर कम हो रही है। दिसंबर 2023 में यह 0.73 प्रतिशत थी, वहीं जनवरी 2024 में यह दर घटकर 0.27 प्रतिशत पर आ गई है। थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा गया है कि थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में लिए 0.27 प्रतिशत रही। थोक मुद्रास्फीति जनवरी 2023 में 4.8 प्रतिशत थी।

### दालों और सब्जियों के गिरे भाव

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2024 में खाद्य सामग्री की महंगाई दर 6.85 प्रतिशत रही जो दिसंबर 2023 में 9.38 प्रतिशत थी।

जनवरी में सब्जियों की महंगाई दर 19.71 प्रतिशत, जो दिसंबर 2023 में 26.3 प्रतिशत रही थी।

जनवरी में दालों में थोक मुद्रास्फीति 16.06 प्रतिशत थी, जबकि फलों में यह 1.01 प्रतिशत रही।

### खाने-पीने के सामान पर घटी महंगाई

जनवरी महीने में खाने-पीने के सामान पर भी

महंगाई में गिरावट आई है।

दिसंबर महीने में थोक खाद्य महंगाई दर 5.39 फीसदी पर थी।

वहीं, जनवरी महीने में यह दर 3.79 फीसदी पर आ गई है।

### मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स पर घटी महंगाई

इसके अलावा अगर मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की बात की जाए तो उस पर महंगाई दर दिसंबर 2023 में -0.71 फीसदी पर थी। वहीं, जनवरी महीने में यह घटकर -1.15 फीसदी पर आ गई है। यह गिरावट अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है। उम्मीद है कि आने वाले समय में महंगाई दर में और भी गिरावट आएगी।

# दुनिया में फिर आ सकती है विनाशकारी मंदी

## वजह बनेगा बर्बाद होता चीन, विशेषज्ञ दे रहे चेतावनी

**एजेंसी**

लॉज़ेन (स्विट्ज़रलैंड)/बीजिंग। दुनिया की फैक्ट्री कहा जाने वाला चीन इन दिनों कई तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और उसको लेकर एक बार फिर से दुनिया के विशेषज्ञों ने बड़ी चेतावनी दी है। चीन ने घोषणा की है कि 2023 में उसकी जनसंख्या में गिरावट आई है। यह 1.4118 अरब से घटकर 1.4097 अरब रह गई है। संयुक्त राष्ट्र के पूर्वानुमान से पता चलता है कि चीन की जनसंख्या 2050 तक घटकर 1.313 अरब हो जाएगी और फिर 2100 तक घटकर लगभग 80 करोड़ हो जाएगी। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है और इसका असर इसकी सीमाओं से परे भी होगा। दो रुझान हैं जो इस तरह के जनसांख्यिकीय बदलाव को रेखांकित करते हैं। सबसे पहले वृद्ध जनसंख्या है, जिसमें 60 वर्ष और उससे अधिक आयु वालों का प्रतिशत वर्तमान में कुल जनसंख्या का 20% से अधिक है। दूसरा, जन्म दर में काफी गिरावट आई है, 2016 में एक करोड़ 78 लाख जन्म से 2023 में यह 90 लाख हो गई है।

ऐसे बदलावों के कई परस्पर संबंधित आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं जो अंततः मध्य से दीर्घावधि में चीन की आर्थिक भलाई को प्रभावित कर सकते हैं और विश्व स्तर पर प्रतिध्वनित हो सकते हैं। 2040 तक चीन की एक-चौथाई से अधिक आबादी 60 वर्ष से अधिक हो जाएगी और आर्थिक रूप से कम सक्रिय होगी (पुरुषों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है और महिलाओं के लिए यह 50-55 वर्ष है)। इससे चीन की पेंशन और बुजुर्ग देखभाल प्रणालियों पर दबाव पड़ेगा, कुछ भविष्यवाणियों से संकेत मिलता है कि पेंशन प्रणाली

2035 तक दिवालिया हो सकती है। सार्वजनिक संसाधनों पर दबाव डालने वाले पेंशन संबंधी मुद्दों से बचने के लिए, संभावित परिदृश्यों में लोगों को लंबे समय तक काम करने के लिए सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाना, अतिरिक्त पेंशन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करों में वृद्धि और वर्तमान लाभों को कम करना शामिल है।

जनसंख्या परिवर्तन से निपटने के लिए स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में बदलाव से कई लोग कम अच्छी स्थिति में महसूस कर सकते हैं या सेवाओं में कमी से नाखुश हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप कुछ हद तक राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसके अलावा, जैसे-जैसे बुजुर्गों की अपने बच्चों पर निर्भरता बढ़ती है, घरेलू खपत, बचत और निवेश के स्तर में गिरावट आने की संभावना है, जो बदले में अर्थव्यवस्था के समग्र स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। श्रम बल में कटौती जैसे-जैसे वृद्ध कर्मचारी सेवानिवृत्त होंगे, कुल जनसंख्या में कामकाजी उम्र के कम लोग होंगे, और इसलिए काम करने के लिए उपलब्ध होंगे। उदाहरण के लिए, वृद्ध लोगों को लंबे समय तक काम करना जारी रखने में मदद करने के उपाय करना, दीर्घकालिक आर्थिक विकास और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के स्तर को बनाए रखने का आधार बन सकता है।

### चीन आयात बढ़ाने के लिए होगा मजबूर

फिर भी, जैसा कि ऊपर बताया गया है, ऐसे उपाय राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय हो सकते हैं। उत्पादकता लाभ (प्रति नियोजित व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद) कम कार्यबल और बढ़ती उम्र से भी प्रभावित हो सकता है। कुछ अध्ययनों में इस बात के प्रमाण मिले हैं कि श्रम उत्पादकता (प्रति कार्य घंटे का उत्पादन) उम्र के साथ बदलती रहती है। जैसे-जैसे कोई व्यक्ति श्रम बाजार में प्रवेश करता है, यह बढ़ने लगता है, फिर 30 और 40 के बीच स्थिर हो जाता है, और अंततः किसी व्यक्ति का कार्य जीवन समाप्त होने पर इसमें गिरावट आती है। जनसंख्या परिवर्तन से "विनाश का चक्र" पैदा हो सकता है, जहां एक आर्थिक स्थिति नकारात्मक प्रभाव पैदा करती है और फिर दूसरी और उससे अगली। जैसे ही कम उत्पादकता विशेष क्षेत्रों में उत्पादन को प्रभावित करने लगेगी, चीन उन उद्योगों में मांग को पूरा करने के लिए आयात बढ़ाने के लिए मजबूर हो सकता है। यह नवाचार और उद्यमिता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में और कमी आ सकती है।

# Sensodyne ने भारत में अपना पहला माउथवॉश लॉन्च किया

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

Haleon (पूर्व में GlaxoSmithKline Healthcare) के मशहूर ओरल केयर ब्रांड, Sensodyne ने Sensodyne Complete Protection+ माउथवॉश लॉन्च किया है। सेंसिटिव दाँतों के लिए विकसित की गई टूथपेस्ट और ब्रश की मौजूदा श्रृंखला के बाद एहेद्व्हा ने इस नए माउथवॉश के साथ अपनी साइंस को एक नए फॉर्मेट में पेश किया है। भारत में माउथवॉश ओरल केयर श्रेणी की सबसे तेजी से बढ़ती हुई उपश्रेणियों में से एक है। स्वास्थ्य के बारे में लोगों की जागरूकता बढ़ रही है, और एहेद्व्हा उन्हें प्रतिदिन माउथवॉश का उपयोग करने के फ़ायदों के बारे में शिक्षित करना चाहता है। Sensodyne Complete Protection+ माउथवॉश रोजाना ब्रशिंग के बाद आपके दाँतों को संपूर्ण सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। इसका अल्कोहल-फ्री फॉर्मूलेशन दाँतों की झनझनाहट और दाँत की ऊपरी कठोर परत को घिसाव से सुरक्षा प्रदान करके दाँतों को मजबूत बनाए रखता है। इसमें मौजूद फ्लोराइड कैविटी से सुरक्षा देता है, और ताजगी भरा स्वाद बिना किसी जलन के तरोताजा अहसास प्रदान करता है। Sensodyne द्वारा पहले माउथवॉश के लॉन्च से उत्साहित, Ms. Bhawna Sikka, Category Lead - Oral Healthcare, Haleon ISC ने कहा, 'मुँह का स्वास्थ्य शरीर का स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। इसलिए मुँह को स्वस्थ रखना जरुरी है। हम ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विज्ञान पर आधारित उत्तम उत्पाद प्रदान करना चाहते हैं। हमारा यह माउथवॉश लोगों को अपना मुँह स्वस्थ रखने में मदद करेगा। हमें Sensodyne Complete Protection+ माउथवॉश पेश करने की खुशी है, जो ग्राहकों को दाँतों की झनझनाहट, दाँत की ऊपरी परत के घिसाव और कैविटी से सुरक्षा देगा। इसके साथ अब ग्राहकों को Sensodyne की संपूर्ण श्रृंखला मिलेगी, जिसमें टूथपेस्ट, ब्रश और अब माउथवॉश शामिल हैं।'

# देश की इन 500 निजी कंपनियों का मूल्य सऊदी-सिंगापुर की GDP से भी ज्यादा

## रिलायंस तीसरी बार सबसे आगे

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश की शीर्ष-500 निजी कंपनियों का मूल्यांकन 2022 की तुलना में बढ़कर 2023 में 231 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह देश की जीडीपी का 71 फीसदी है। साथ ही, सऊदी अरब, स्विटजरलैंड और सिंगापुर की जीडीपी से ज्यादा है। हुरून इंडिया-एक्सिस बैंक की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष-500 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज तीसरे साल भी शीर्ष पर है। इसका पूंजीकरण 15.65 लाख करोड़ रुपये रहा है। 12.4 लाख करोड़ के साथ टीसीएस दूसरे स्थान पर है। विलय के बाद 10 लाख करोड़ का मूल्यांकन पार करने पर एचडीएफसी बैंक तीसरे स्थान पर है। शीर्ष-500 कंपनियों में सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध दोनों शामिल हैं। इन कंपनियों की बिक्री की वृद्धि दर 13 फीसदी बढ़कर 952 अरब डॉलर रही है। एक्सिस बैंक के एमडी अमिताभ चौधरी ने कहा, ये 500 कंपनियां 70 लाख लोगों को रोजगार देती हैं।

### एचसीएल और कोटक शीर्ष 10 में

एचसीएल टेक और कोटक महिंद्रा बैंक शीर्ष 10 में हैं। जियो फाइनेंशियल 28वें स्थान पर है। 44 फीसदी कंपनियां सेवा क्षेत्र की हैं। 56 फीसदी भौतिक उत्पादों को बेचती हैं। 437 कंपनियों के बोर्ड में महिलाएं शामिल हैं। 179 में महिलाएं सीईओ रैंक पर हैं। 342 कंपनियों के मूल्य में वृद्धि हुई है। 18 के मूल्य में दोगुना से ज्यादा बढ़त हुई है। सुजलॉन में 436% वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा संपत्ति निर्माण हुआ। जिंदल स्टेनलेस और जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा की संपत्ति पांच और चार गुना बढ़ी है। स्टार्टअप को चार लाख करोड़ रुपये का घाटा हुआ। सबसे अधिक गिरावट बायजू, डीलशेयर और फार्मईजी में रही।

# मेवा इंडिया शो बढ़ायेगा सूखे मेवो के प्रति आकर्षण-राजू भाई मुथा

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

गत 16 व 17 फरवरी को नट्स एण्ड ड्राईफ्रूट्स काउंसिल (एनडीएफसीआई) के बैनर तले मेवा इंडिया 2024 का आयोजन यशोभूमि द्वारिका में होने जा रहा है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय मेवा शो है। जिसमें 20 देशों के मेवा कारोबारी भाग ले रहे हैं। मेवा इंडिया व ड्राईफ्रूट्स की जानकारी देते हुए आएनडीएफसीआई के गवर्नर राजू भाई मुथा ने बताया कि मेवा खाने के अनगिनत फायदे हैं। जिस तरह से सुबह की सैर आप के जीवन में जरूरी है। उसी तरह मेवा भी अनेकों बीमारियों से दूर रखता है। मेवा अमृत के समान है। हालांकि इसकी गुणवता व शुद्धता की परख होनी चाहिए। जानकारी हो कि भागिरथ मुथ एण्ड कंपनी भारत की अग्रणी बादाम आयातक है। इसके साथ ही अमेरिकन पिस्ता, अफगानिस्तान से अंजिर, किशमिश व कालीद्राख की भी आयातक है। बीएमसी के नाम एवं काम से सभी भलीभांति परिचित है। किसी भी कीमत पर गलत माल लोगों तक नहीं पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। तैयार ड्राई मेवा, सुप्रीरियर व प्रीमियम क्वालिटी के मेवा बंशी ब्राण्ड नाम से उपलब्ध हैं। आगे श्री मुथा ने मेवा इंडिया शो के बारे में बताया कि इसमें तीन हजार से अधिक व्यापारी आ रहे हैं। यह बी2बी मीटिंग के साथ एक नया अवसर प्रदान करेगा।

# पाकिस्तान से भी कंगाल हुआ यह मुस्लिम देश

## यूएई को 'बेचने' जा रहा 'धरती का स्वर्ग', भारत का है दोस्त

काहिरा। एजेंसी

**पाकिस्तान की तरह ही दुनिया का एक और मुस्लिम देश कंगाली की राह पर है और पूरा शहर संयुक्त अरब अमीरात के निवेशकों को सौंपने जा रहा है। इस देश का नाम मिस्र है और करीब 22 अरब डॉलर में अपने भूमध्य सागर में स्थित कस्बे रास अल हिकमा को यूएई को देने जा रहा है। यह कस्बा अपने खूबसूरत तटों के लिए जाना जाता है और इसी वजह से इसे 'धरती पर स्वर्ग' कहा जाता है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी के इस फैसले के खिलाफ पूरे देश में विरोध शुरू हो गया है। गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे मिस्र को विदेशी मुद्रा की सख्त जरूरत है और इसी वजह से वह अपने बेहद अहम कस्बे को यूएई के निवेशकों को सौंपने जा रहा है। मिस्र के एक अधिकारी ने इस सौदे की पुष्टि की है।**

मिस्र के अधिकारी ने कहा कि यूएई के निवेशक इस बेहद खास कस्बे रास अल हिकमा को खरीदेंगे जो भूमध्य सागर में मिस्र के उत्तरी पश्चिमी तट पर स्थित है। इससे पहले भी इस कस्बे को बेचने की कोशिश की गई थी, तब इसकी काफी आलोचना हुई थी। आलोचकों का कहना है कि इस डील के बाद मिस्र का अपने सबसे खूबसूरत तटों वाले कस्बे से नियंत्रण खत्म हो जाएगा। मिस्र की आर्थिक हालत इतनी खराब है कि उसकी मुद्रा की वैल्यू ब्लैक मार्केट में अमेरिकी डॉलर के सामने आधी रह गई है।

### मिस्र के राष्ट्रपति आलोचना के घेरे में

गुरुवार को आईएमएफ के एक दल ने अपनी दो सप्ताह की यात्रा को पूरा किया है और संभावित बेलआउट पैकेज को लेकर बातचीत की है। माना जा रहा है कि यह पैकेज 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। मिस्र के एक अधिकारी होसम हेइबा ने कहा कि रास अल हकीमा को विकसित करने में 22 अरब डॉलर का खर्च आ सकता है। उन्होंने कहा कि हमें कई ऑफर मिला था लेकिन हमने यूएई के निवेशकों की ओर से आए प्रस्ताव को चुना है। यूएई के निवेशक इस प्रॉजेक्ट की फाइनेंसिंग, विकास और प्रबंधन करेंगे। बताया जा रहा है कि इस डील को लेकर बातचीत पूरी हो गई है और समझौते पर हस्ताक्षर के लिए तैयारी चल रही है। राष्ट्रपति सीसी ने रास अल हिकमा इलाके को शहरी विकास प्रॉजेक्ट में शामिल किया है और यह प्रॉजेक्ट 2050 तक पूरा होने की उम्मीद है। मिस्र सरकार के इस कदम की कड़ी आलोचना हो रही है। विपक्षी दलों का कहना है कि यह रास अल हिकमा कस्बा 'धरती पर स्वर्ग' है। वे राष्ट्रपति सीसी की इस योजना का समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बहुत हड़बड़ी में हैं जिससे काफी गड़बड़ी कर रहे हैं।

## कोटक महिंद्रा बैंक अगले दो सालों में

# मप्र में एसएमई लोन बुक और ग्राहकों की संख्या को करेगा दोगुना

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

**भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। इसमें एसएमई एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। मध्य प्रदेश अपनी जीवंत अर्थव्यवस्था और कई व्यवसायों एवं उद्योगों जैसे ऑटो एंशिएलरी, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, प्लास्टिक और प्लास्टिक उत्पाद, बुनियादी ढांचे, थोक व्यापार और फार्मास्यूटिकल्स के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। अब इस राज्य में कोटक महिंद्रा बैंक भी अपना विस्तार करने पर फोकस कर रहा है। उद्यमशीलता की भावना पर निरंतर ध्यान देने के साथ, बैंक ने पिछले 2 सालों में मध्य प्रदेश में अपने ग्राहकों की संख्या को दोगुना कर लिया है। ये कारोबारियों और उद्यमियों के बीच बैंक के प्रति बढ़ते**

**विश्वास का संकेत है।**

कोटक महिंद्रा बैंक के लिए, मध्य प्रदेश सबसे ज्यादा डिजिटल सेवी राज्यों में से एक है, राज्य में डिजिटल तकनीक को अपनाने की दर 81% है जो राष्ट्रीय औसत 76% से अधिक है। यह बाज़ार की डिजिटलीकरण के फायदों की समझ और डिजिटल तकनीक अपनाने के लिए तत्परता पर जोर देता है।

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट-एसएमई शेखर भंडारी ने कहा, 'हमारे पास राज्य के लिए बड़ी विकास योजनाएं हैं और हम अगले दो सालों में हमारी एसएमई लोन बुक और ग्राहकों की संख्या को दोगुना से अधिक करना चाहते हैं। एसएमई सेक्टर देश के आर्थिक विकास और सामाजिक-आर्थिक प्रगति की आधारशिला है।'

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट और हेड होलसेल बैंकिंग पारितोष कश्यप ने कहा, 'एसएमई बैंक की विकास रणनीति के लिए फोकस का एक मजबूत क्षेत्र हैं। हमारा मानना है कि आने वाले सालों में एसएमई सेगमेंट की विकास की दर 25-30 फीसदी रहेगी। एसएमई भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कोटक बैंक उनकी तरक्की को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनके साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। मध्य प्रदेश हमारी एसएमई बुक की ग्रोथ बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जहां हमने उल्लेखनीय रूप से नए ग्राहकों को जोड़ने की योजना बनाई है।'' कोटक महिंद्रा बैंक स्थानीय जानकारियों और विकास के अवसरों का लाभ उठाकर, राज्य में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर पर खासतौर से फोकस कर रहा है।

# कैरियर गाईडेंस से ही सही राह चुन पाना संभव

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कैरियर गाइडेंस एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, खासकर उन छात्रों और युवाओं के लिए जो अपने करियर में बारहवीं कक्षा के पश्चात फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज़ और बी. फ़ार्मा या अन्य विज्ञान एवं विषयों से स्नातक कर फ़ार्मास्यूटिकल्स मैनेजमेंट में रुचि रखते हैं। यह एक बहुत ही व्यापक क्षेत्र है और इसमें कई उद्यमिता विकास एवं रोज़गार के समान अवसर हैं। फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज़ के क्षेत्र में शोध, विकास, उत्पादन, परीक्षण, और नई दवाओं का अध्ययन होता है, जबकि फार्मास्यूटिकल्स मैनेजमेंट में लॉगिस्टिक्स, विपणन, वित्तीय प्रबंधन, और बाजारीय साइंस की शिक्षा दी जाती है।

डॉ. नेहा शर्मा चौधरी
(हेड एडमिशन्स- मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट्स इंदौर

करियर गाइडेंस के माध्यम से स्नातक और परास्नातक कोर्सेज़ और उनके अवसर के बारे में सही जानकारी दी जा सकती है। इसके लिए सही संस्थान चुनना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अच्छे संस्थान से ही बेहतर करियर के अवसर मिलते हैं। इसलिए, छात्रों को संस्थान का चयन करते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले, छात्र को अपने करियर के लक्ष्य को साफ़ रखना चाहिए। वह यह निर्णय ले सकते हैं कि उन्हें कौन सा कोर्स करना है और किस क्षेत्र में जाना है।

फार्मास्यूटिकल्स साइंसेस और मैनेजमेंट में बहुत सारे कोर्सेज़ उपलब्ध हैं, इसलिए यह व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है कि वह अपनी स्वार्थों और क्षमताओं के आधार पर कोर्स चुने। महत्वपूर्ण कोर्सेज़ में बी. फार्म, डी. फार्म, एम. फार्म एवं एम.बी.ए (फ़ार्मास्यूटिकल्स मैनेजमेंट) हैं। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है संस्थान की मान्यता और विश्वसनीयता। संस्थान की मान्यता से यह संबंधित है कि कौन-कौन से कोर्स वहां पर उपलब्ध हैं और कितने अच्छे शिक्षक विशेषज्ञ हैं। छात्रों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि संस्थान की मान्यता कैसी है और उसके पाठ्यक्रम और कितने अनुपम हैं। तीसरा बिंदु है इंफ्रास्ट्रक्चर और उपकरण। एक अच्छे कैंपस, शोध लैब, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, रिक्त स्थान, भोजनालय, उपन्यासिक क्षेत्र, स्विमिंग पूल आदि इस बात का पता लगाएं कि संस्थान कितना उच्चतम स्तर का है।

अगर किसी छात्र की रुचि फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज़ और मैनेजमेंट में है, तो वह अपने करियर के लिए सही संस्थान का चयन करें। यह उसके भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक अच्छे संस्थान के चयन के लिए छात्रों को भी पता होना चाहिए कि वहां किसी भी विशेषज्ञता या विभाग के लिए कितने अच्छे होते हैं। उन्हें भी पता होना चाहिए कि क्या संस्थान की मान्यता कितनी अच्छी है और किस तरह के अवसर छात्रों को मिल सकते हैं।

कई बार विद्यार्थियों को असहजता होती है कि किस प्रकार के फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज कोर्स का विकल्प उपलब्ध होता है और इसमें शामिल होने की प्रक्रिया क्या है? तो उन्हें यह ज्ञात होना चाहिये कि फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज कोर्स में विभिन्न प्रकार के विकल्प उपलब्ध होते हैं जैसे कि डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स। व्यावसायिक कोर्स भी शामिल हो सकते हैं जो छात्र को बाजार में नौकरी के अवसर देते हैं। इसके लिए छात्रों को पहले विभिन्न कोलेज और विश्वविद्यालयों में दाखिला लेना होता है और उन्हें फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के प्रमुख विषयों में गहरी जानकारी हासिल करनी होती है। छात्रों को केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, प्रोडक्शन, फार्मासिस्टिक्स, मेडिसिनल केमिस्ट्री, फार्माकोइनॉमेट्रिक्स आदि विषयों में पढ़ाई करनी होती है।

बारहवीं कक्षा के बात से विज्ञान विषय के अलावा भी कई ऐसे स्नातक कोर्सेज़ हैं जिसमें विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार प्रवेश ले सकते हैं। इन कोर्सेज़ में प्रमुख हैं बी.बी.ए, बी.बी.ए. (ग्लोबल), बी.कॉम, बी.कॉम, (कंप्यूटर एप्लिकेशन) इत्यादि। ये कोर्स प्रबंध एवं कॉमर्स के क्षेत्र के कोर्स कहे जाते हैं। इसके अलावा, छात्रों को संस्थान के फीस और आर्थिक सहायता की भी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें उनकी आर्थिक स्थिति के अनुसार ही संस्थान चुनना चाहिए। इस प्रकार, करियर गाइडेंस के माध्यम से स्नातक और परास्नातक कोर्सेज के लिए अच्छे संस्थान का चयन करते समय कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए। यह छात्रों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है और उन्हें उनकी क्षमताओं के अनुसार चुनाव करना चाहिए।

सरस्वति महाभागे विद्ये कमललोचने । विद्यारूपे विशालाक्षि विद्यां देहि नमोऽस्तुते ॥

# बसंत पंचमी के दिन घर ले आएं ये चीजें

## मां सरस्वती के साथ देवी लक्ष्मी भी होगी प्रसन्न

**प्रत्येक वर्ष माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. इस बार यह त्योहार 14 फरवरी को है. सनातन धर्म में बसंत पंचमी का विशेष महत्व होता है। लोग इस दिन को अलग-अलग अंदाज में सेलिब्रेट करते हैं. धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, इस तिथि पर कुछ विशेष चीजों को खरीदकर घर लाने से देवी सरस्वती की खास कृपा प्राप्त की जा सकती है. आइए आपको बताते हैं इस दिन कौन सी चीजें घर लानी चाहिए.**

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

### गेंदे के फूल

बसंत पंचमी पर बसंती रंग का विशेष महत्व होता है. ऐसे में यदि आप भी अपने घर में गेंदे का पौधा लगा सकती है. फ्लावर पॉट में पीले फूल लगा सकते हैं. घर को इन फूलों से सजा सकती हैं. आप अपने मन के मुताबिक, तोरण की डिजाइन बना सकती हैं

### वीणा

वीणा देवी सरस्वती की सबसे प्रिय वस्तुओं में से एक है. वीणा को बहुत पवित्र माना जाता है तथा इसे घर में रखने से सुख-शांति का माहौल बना रहता है.

### वाद्य यंत्र

संगीत में रुचि रखने वाले लोगों को बसंत पंचमी के दिन बांसुरी-वीणा या वाद्य यंत्र घर लाना चाहिए. ऐसा करने से मां देवी सरस्वती खुश होती हैं.

### वैवाहिक जीवन

सरस्वती पूजा के दिन शादी का जोड़ा या गहने खरीदना खास फलदायी होता है. ऐसे करने से आने वाला वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहता है.

### घर लाएं ये पौधा

बसंत पंचमी के दिन घर में मोरपंखी का पौधा लाना बहुत शुभ होता है. आप इस पौधे को घर की पूर्व दिशा में रख सकते हैं. ड्राइंग रूम या घर के मुख्य द्वार पर भी लगा सकते हैं.

### सरस्वती प्रतिमा या तस्वीर लाएं

बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की कृपा के लिए बच्चों के कमरे में उनकी फोटो या प्रतिमा लगाएं. ऐसा करने से विद्यार्थियों में पाठ के प्रति रुचि पैदा होती है.

### मोर पंखी का पौधा

बसंत पंचमी के दिन घर में मोर पंखी का पौधा लाना अच्छा होता है. मोरपंखी के पौधे को विद्या का पौधा माना जाता है. ऐसी परम्परा है कि इसे लगाने से घर के बच्चों पर माता सरस्वती का आशीर्वाद बना रहता है.

# बसंत पंचमी पर बच्चों से जरूर करवाएं ये ५ काम, करियर में मिलेगी तरक्की

प्रत्येक वर्ष माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. इस बार यह त्योहार 14 फरवरी को है. सनातन धर्म में बसंत पंचमी का विशेष महत्व होता है। लोग इस दिन को अलग-अलग अंदाज में सेलिब्रेट करते हैं. यह दिन छात्रों के लिए बेहद ही विशेष होता है क्योंकि इस दिन को शिक्षा की शुरुआत करने और पढ़ाई में कामयाबी का आशीर्वाद पाने के लिए बहुत विशेष माना जाता है. इस दिन देवी सरस्वती की पूजा के साथ ही व्रत भी किया जाता है तथा पीले रंग के कपड़े पहने जाते हैं.

धार्मिक मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन देवी शारदा की आराधना करने से कला, संगीत और शिक्षा के क्षेत्र में कामयाबी प्राप्त होती है. ऐसा कहा जाता है कि इस दिन देवी सरस्वती प्रकट हुई थीं इसलिए इस दिन को उनके जन्मदिवस के तौर पर भी मनाया जाता है. शास्त्रों के मुताबिक, बसंत पंचमी के दिन बच्चों-छात्रों द्वारा कराए गए कुछ उपायों से देवी सरस्वती की कृपा उनपर जीवन भर बनी रहती है तथा उन्हें हर क्षेत्र में सफलता हासिल होती है.

### लक्ष्य पर फोकस करने के लिए –

यदि आपका बच्चा अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित पढ़ाई नहीं कर पा रहा है तथा तो इसके लिए मां सरस्वती की तस्वीर स्टडी टेबल के पास रख दें. कहा जाता है कि ऐसा करने से उनका पढ़ाई में मन लगेगा एवं साथ ही याद्दाश्त भी अच्छी होती है.

### ऐसे कराएं बच्चों से पूजा –

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है तथा उसका ध्यान पढ़ाई से बार-बार भटकता है, तो ऐसे में अपने बच्चे से देवी सरस्वती की पूजा कराएं. बच्चे के हाथों से पीले फल, फूल, केसर के पीले चावल मां सरस्वती को चढ़ाएं. इससे देवी प्रसन्न होती हैं तथा आपके बच्चे के मानसिक विकास का आशीर्वाद देती हैं.

### इस काम से मिलेगी तरक्की –

जिन बच्चों को क्लास में बोलने में समस्या हो या फिर वे पढ़ने के बाद भी सही तरीके से लिख नहीं पाते हैं, तो इसके लिए बसंत पंचमी पर चांदी की कलम को शहद में डूबोकर बच्चे की जीभ पर ऊं लिखें. ऐसी मान्यता है इससे बोलने में आ रही समस्या दूर होती है तथा संतान पढ़ाई में आगे रहती है.

### पढ़ाई में आ रही रुकावट के लिए –

जिन छात्रों की पढ़ाई में अड़चन आ रही है, तो उनसे बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को सफेद चंदन अर्पित कराएं तथा फिर 'ॐ ऐं सरस्वत्यै ऐं नमः' मंत्र का 108 बार जाप कराएं. मान्यता है इससे पढ़ाई में कामयाबी प्राप्त होती है.

### याद करने की शक्ति होगी तेज –

बसंत पंचमी पर बच्चों के हाथों जरुरतमंदों को किताबें एवं पेन दान कराएं. मान्यता है कि ऐसा करने से वाणी दोष दूर होता है एवं बच्चे की याद करने की शक्ति तेज होती है. बच्चों का मन आध्यात्म की तरफ अग्रसर कराने के लिए किताबें एवं पेन देवी सरस्वती के चरणों में चढ़ाएं.

# फिर आया शादियों का सीजन 6 महीने में होंगी 42 लाख शादियां

## 5.5 लाख करोड़ का होगा कारोबार

**नई दिल्ली। एजेंसी**

**दिल्ली सहित पूरे देश में ट्रेडर्स कम्यूनिटी 15 जनवरी से लेकर 15 जुलाई तक चलने वाले वेडिंग सीजन के लिए काफी तैयारी कर रही है। ट्रेडर्स कम्यूनिटी के एक अनुमान के अनुसार इन छह महीनों में देश में करीब 42 लाख विवाह होंगे। शादियों से जुड़ी खरीदारी और सर्विस के माध्यम से लगभग 5.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। यह कैलकुलेशन कन्फेडरेश ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) की रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी ने लगाया है। ये सर्वे देश सभी राज्यों में ट्रेडर्स कम्यूनिटी से बातचीत के आधार पर बनाया गया है।**

### होंगी 42 लाख शादियां

कैट के अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली में ही इस शादियों के मौसम में 4 लाख से अधिक विवाह होने की संभावना है। इसमें करीब ? 1.5 लाख करोड़ का कारोबार होने की उम्मीद है। पिछले साल 14 दिसंबर को खत्म हुए विवाह सीजन में लगभग 35 लाख विवाह हुए थे, जिन पर करीब ? 4.25 लाख करोड़ खर्च हुआ। इस विवाह सीजन के दौरान अनुमान है कि लगभग 5 लाख विवाह में हर एक शादी की लागत 3 लाख होगी, जबकि लगभग 10 लाख विवाह की प्रति विवाह की लागत लगभग 6 लाख रुपये होगी। इसके अतिरिक्त 10 लाख विवाहों की अनुमानित लागत प्रति विवाह 10 लाख होगी। वहीं, 10 लाख विवाह की लागत 15 लाख प्रति विवाह होगी। जबकि 6 लाख विवाह 25 लाख रुपये की लागत होगी। 60 हजार विवाह जिनकी कॉस्ट प्रति विवाह 50 लाख रुपये होगी। 40 हजार विवाह ऐसे होंगे जिनकी लागत ?1 करोड़ से अधिक होगी। देखा जाए तो छह महीने के दौरान विवाह संबंधित खरीदारियों और सर्विस में लगभग ? 5.5 लाख करोड़ के कारोबार का अनुमान है।

### शादियों में इनकी रहती है ज्यादा डिमांड

शादियों की डिमांड को देखते हुए ग्राहकों की पसंद और मांग को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विवाह के लिए लगभग 20 प्रतिशत खर्च दुल्हन और दुल्हे के पक्ष को जाता है। जबकि, 80 फीसदी खर्च शादी के अन्य कामों पर होता है। शादी के सीजन से पहले घर की मरम्मत और पेंटिंग काफी बड़ा कारोबार है। इसके अलावा ज्वैलरी, साड़ी, लहंगा-चुनरी, फर्नीचर, रेडीमेड कपड़े, कपड़े, जूते, विवाह और शुभकार्य कार्ड, सूखे मेवे, मिठाई, फल, पूजा वस्त्र, किराना, अनाज, सजावटी वस्त्र, घर की सजावट, इलेक्ट्रिकल यूटिलिटीज, इलेक्ट्रॉनिक्स और गिफ्ट्स की मांग ज्यादा रहती है। इन कारोबारों को होगा फायदा शादियों के लिए बैंक्वेट हॉल, होटल, ओपन लॉन, समुदाय केंद्र, सार्वजनिक पार्क, फार्महाउस पहले से बुक किये जाते हैं। हर विवाह की खरीदारी के अलावा, टेंट डेकोरेशन, विवाह स्थल की सजावट, फूलों की सजावट, क्रोकरी, केटरिंग सर्विस, ट्रैवल कैब सर्विस, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, बैंड, संगीत कलाकार, डीजे सर्विस, विवाह बारात के लिए घोड़े, बग्घी, लाइट, ढोल, ताशे, नफीरी, शहनाई जैसी कई सर्विस को बड़ा कारोबार मिलता है।

# कोटक म्यूचुअल फंड एसआईपी को दे रहा बढ़ावा

## निवेशकों को लक्ष्य प्राप्ति में मदद करने के लिए

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

**कोटक म्यूचुअल फंड (केएमएफ) ने वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन किया है। म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रदर्शन और रणनीति ने वितरण नेटवर्क में विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी ने विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में असेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में वृद्धि देखी है। वर्तमान में, केएमएफ के 37.98 लाख से अधिक एसआईपी खाते हैं, जिनके माध्यम से निवेशक नियमित रूप से म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश करते हैं।**

31 दिसंबर, 2023 तक, इंदौर में ?27000 करोड़ से अधिक की इंडस्ट्री एयूएम थी, और सक्रिय एसआईपी की संख्या 773000 से अधिक हो गई। यह संख्या म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत देती है।

### नियमित निवेश और अनुशासन के साथ लक्ष्य प्राप्ति में मदद

केएमएफ एसआईपी को एक प्रभावी निवेश साधन के रूप में सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है, जो निवेशकों को नियमित निवेश और अनुशासन के साथ वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करता है। कंपनी विभिन्न प्रकार की म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती है। मनीष मेहता, सेल्स मार्केटिंग एंड डिजिटल बिज़नस के नेशनल हेड, कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने कहा, 'हम एसआईपी को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसने पिछले कुछ वर्षों में लोकप्रियता हासिल की है। अस्थिरता के समय में भी, एसआईपी निवेशकों के लिए संतुलन प्रदान करता है। निवेशक हमारी किसी भी योजना का चयन कर एसआईपी के माध्यम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य निवेशकों को म्यूचुअल फंड उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना है।'

### मलेशिया-इंडोनेशिया से आई बुरी खबर

# इस साल महंगा हो सकता है तेल, आयात में तेज गिरावट

**नई दिल्ली। एजेंसी**

**देश का खाद्य तेल (पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी) आयात जनवरी में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत घटकर 12 लाख टन रह गया है। उद्योग निकाय एसईए ने सोमवार को यह जानकारी दी। जनवरी, 2023 में वनस्पति तेल का आयात 16.61 लाख टन था। भारत दुनिया में एडिबल ऑयल का प्रमुख खरीदार है।**

चालू तेल वर्ष की पहली तिमाही (नवंबर-जनवरी) में कुल आयात 23 प्रतिशत घटकर 36.73 लाख टन रह गया, जो इससे पिछले वर्ष की समान तिमाही में 47.73 लाख टन था। गौरतलब है कि ऑयल ईयर किसी कैलेंडर ईयर या वित्त वर्ष से अलग होता है। यह नवंबर से अक्टूबर तक होता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के मुताबिक, इस साल जनवरी में आयात किए गए कुल वनस्पति तेलों में लगभग 7,82,983 टन पाम ऑयल और 4,08,938 टन सॉफ्ट ऑयल थे।

### स्टॉक में गिरावट

एसईए ने बयान में कहा कि एक फरवरी को कुल खाद्य तेलों का स्टॉक 26.49 लाख टन था, जो एक साल पहले की इसी अवधि से 7.64 प्रतिशत कम है। बयान में कहा गया कि खाद्य तेलों की कीमतें फिलहाल कम हैं, लेकिन ये कम उत्पादन, वैश्विक आर्थिक मुद्दों और आपूर्ति पक्ष की बाधाओं के कारण इस साल बढ़ सकती हैं।

### बढ़ सकता है खाद्य पदार्थों का दाम

मलेशिया और इंडोनेशिया में बायो-डीजल तैयार करने के लिए पाम तेल के बढ़ते इस्तेमाल के चलते इनकी उपलब्धता कम हो गई है। ऐसे में इस साल कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। आपको बता दें कि भारत में खाए जाने वाले कई पैकेज्ड फूड्स में पाम ऑयल का इस्तेमाल होता है। केवल खाने वाली चीजें ही नहीं बल्कि कई स्कीन केयर प्रोडक्ट्स में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। अगर पाम ऑयल की उपलब्धता घटती है तो संभव है कई स्नैक्स और ब्यूटी केयर प्रोडक्ट भी महंगे हो जाएं।

### पहले भी हुआ ऐसा

करीब 3 साल पहले भारत और मलेशिया के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई थी जिसके बाद वहां से पाम ऑयल का आयत भी घट गया था। उस समय जरूर कुछ समय के लिए खाद्य तेल व उसके इस्तेमाल से बनने वाले पदार्थों के दाम हल्के बढ़े थे लेकिन यह परेशानी ज्यादा समय नहीं रही थी। बहरहाल, अब भारत में पाम ऑयल को लेकर लोगों के बीच काफी असंतोष पनप रहा है. लोग धीरे-धीरे पाम ऑयल वाले प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने से बच रहे हैं।

# अपोलो कैंसर सेंटर ने CAR-T सेल थेरेपी में सफलता हासिल की

## भारत में पहला निजी अस्पताल

**अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क**

अपोलो कैंसर सेंटर (ACC) ने CAR-T सेल थेरेपी को सफलतापूर्वक पूरा करने वाला भारत का पहला निजी अस्पताल बनकर इतिहास रच दिया है। यह एक क्रांतिकारी चिकित्सा पद्धति है जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में नई उम्मीदें जगाती है। ACC ने 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के रोगियों में बी-सेल लिम्फोमा और बी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के इलाज के लिए NexCAR19 रू? (एक्टालिकैब्टाजीन ऑटोल्यूसेल) से शुरुआत करते हुए 'मेड इन इंडिया' CAR-T सेल थेरेपी तक पहुंच प्रदान करेगा।

CAR-T सेल थेरेपी में रोगी की टी-कोशिकाओं को निकालकर उन्हें आनुवंशिक रूप से संशोधित किया जाता है ताकि वे कैंसर कोशिकाओं को लक्षित कर सकें। दुनिया भर में 25,000 से अधिक रोगियों का इस चिकित्सीय मॉडल से लाभ हुआ है।

ACC ने आयातित दवाओं के साथ तीन रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया है और अब स्वदेशी रूप से निर्मित थेरेपी के साथ उनका इलाज करने के लिए तैयार है। NexCAR19 भारत में विकसित पहला CAR-T सेल उत्पाद है। यह सफलता कैंसर के इलाज में एक नया युग शुरू करती है।

डॉ. वेलु नायर, हेमेट-ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख, अपोलो कैंसर सेंटर ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण सीमाचिह्न है और बी-सेल लिम्फोमा और तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के खिलाफ हमारी लड़ाई में नई उम्मीदें जगाता है।' श्री नीरज लाल, सीओओ, अपोलो हॉस्पिटल, अहमदाबाद: 'यह भारत में कैंसर के इलाज के लिए एक नया युग शुरू करता है। अपोलो कैंसर सेंटर केवल नेरेटीव नहीं बदल रहा है, बल्कि हम पूरे भारत और उसके बाहर कैंसर रोगियों के लिए बेहतर उपचार परिणाम देने की संभावनाओं को फिर से लिख रहे हैं।' यह उपलब्धि भारतीय चिकित्सा समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और कैंसर रोगियों के लिए बेहतर भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

# एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 1 लाख से अधिक मवेशियों का इलाज किया गया

## डेयरी फार्मिंग में महिलाओं की भूमिका को सम्मनित किया गया

**सिलीगुड़ी। आईपीटी नेटवर्क**

भारत की अग्रणी एनबीएफसी में से एक एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में 'फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड') ने अपना छठा पशु विकास दिवस (पीवीडी) आयोजित किया। यह देश में सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर के रूप में जाना जाता है। इस दौरान एक लाख से अधिक मवेशियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 14 राज्यों में 460 से अधिक स्थानों पर एक साथ शिविर आयोजित किए गए। भारत में, 8 करोड़ से अधिक परिवार सीधे तौर पर डेयरी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और इनमें इनमें महिलाएं 70% कार्यबल का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन महिलाओं की भूमिका के सम्मान के लिए, छठा पशु विकास दिवस 'डेयरी फार्मिंग में महिलाएं' के रूप में मनाया गया। यह पहल ऐंड ढांचे के 'सामाजिक' पहलू को दर्शाती है, जो सामाजिक उत्थान को आगे बढ़ाने में लैंगिक विविधता और समावेशन के महत्व पर जोर देती है। मवेशियों की देखभाल के अलावा, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने 4 फरवरी से 10 फरवरी 2024 तक देश भर में लोगों के लिए 300 से अधिक स्वास्थ्य देखभाल शिविरों का भी आयोजन किया, जिससे 30,000 से अधिक लोगों को लाभ हुआ। छठे पशु विकास दिवस ने कुल मिलाकर 1,25,000 से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया। कंपनी का विविध कार्यबल 600 कस्बों और 65,000 से अधिक गांवों में अखिल भारतीय ग्राहक आधार को पूरा करते हैं। कार्यबल का फोकस ऋण के माध्यम से सपनों को वित्तपोषित करके और ग्रामीण भारत को उन स्थानीय समुदायों में बेहतर आजीविका के लिए कौशल प्रदान करके एक समग्र समावेशी इको सिस्टम सुनिश्चित करने पर है, जहां वे काम करते हैं। पशु विकास दिवस में देश भर के 4,000 से अधिक कर्मचारियों ने सक्रिय तौर पर भागीदारी निभाई। इसके लिए कर्मचारी स्वेच्छा से आगे आए।

# मीशो अपने यूजर्स की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

## धोखाधड़ी को रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

अपने यूजर्स को धोखाधड़ी से बचाने के लिए भारत के एकमात्र टू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने हाल ही में धोखाधड़ी की गतिविधियों का खुलासा किया, जिनकी मदद से कुछ लोग मीशो ब्रांड के नाम का गलत उपयोग करके लोगों से ठगी कर रहे थे। ये जालसाज लोगों से ठगी करने के लिए किसी भी हद तक जा रहे थे, और मुफ्त कार जैसे लुभावने ऑफरों के साथ नकली लॉटरी पत्र भी जारी कर रहे थे। अपने ब्रांड के दुरुपयोग और भोले-भाले यूजर्स से ठगी रोकने के लिए मीशो ने इस मामले में विस्तृत खोजबीन शुरू की। फिर मीशो ने जालसाजों के खिलाफ दो एफआईआर रिपोर्ट, पहली कोलकाता में और दूसरी राँची में दर्ज कराई। अन्य राज्यों में अभी जाँच-पड़ताल चल रही है।

मीशो के जनरल काउंसेल, लोपामुद्रा राव ने कहा, "मीशो में हमारे यूजर्स की सुरक्षा और विश्वास हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमें इन धोखाधड़ी की गतिविधियों से दुख हुआ है, जिनकी मदद से अपराधी हमारे यूजर्स में सेंध लगाकर उन्हें नुकसान पहुँचाते हैं, और हमने ऐसे जालसाजों के खिलाफ त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई की है। हमारी यह सक्रियता यूजर्स की सुरक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मीशो द्वारा अपने यूजर्स की सुरक्षा एवं अपने प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाते रहेंगे।"

राँची, झारखंड में पड़ताल के बाद, राज्य की पुलिस ने तीन लोगों को पहचान कर हिरासत में लिया, जिनमें एक बैंक अधिकारी और एक डेवलपर शामिल था। एक स्थानीय डिजिटल समाचारपत्र, गणादेश में छपी रिपोर्ट के मुताबिक अभी आगे की जाँच चल रही है। इसके अलावा, 20 जनवरी, 2024 को उत्तर 24 परगना, कोलकाता में दो छापामारी की कार्रवाइयों में चार जालसाज पकड़े गए। इन अपराधियों को कटघरे में लाने के लिए तफ्तीश चल रही है।

# औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दिसंबर में सुस्त पड़कर 3.8 प्रतिशत पर

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दिसंबर, 2023 में सालाना आधार पर घटकर 3.8 प्रतिशत रही है। एक साल पहले समान महीने में औद्योगिक उत्पादन 5.1 प्रतिशत बढ़ा था। सरकार की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर के महीने में औद्योगिक उत्पादन 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। यह आंकड़ा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर जारी किया गया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आधिकारिक बयान से पता चलता है कि दिसंबर, 2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 3.9 प्रतिशत बढ़ा जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.6 प्रतिशत था। दिसंबर, 2023 में खनन उत्पादन 5.1 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 1.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इस तरह चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में आईआईपी की कुल वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही है जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 5.5 प्रतिशत रहा था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।